एम्स में एप्रोच लगाने पर मरीजों को मिलते हैं बेड

इमरजेंसी विभाग में गंभीर मरीजों को भी नहीं मिल रहा बेड

साक्षी केसरवानी

भोपाल, 13 अप्रैल. एम्स अस्पताल में इन दिनों एमरजेंसी विभाग में गंभीर रूप से बीमार मरीज को भी भर्ती करने को बेड ही नहीं हैं. हालांकि ये बात अलग है कि बेड किसी नेता के फोन के बाद खाली हो जाता है.

बता दें सोमवार दोपहर एक, दो नहीं बल्कि 3 से 4 गंभीर मरीज एमरजेंसी विभाग में आये, लेकिन उन्हें बस ये कहकर लौटा दिया गया, कि बेड खाली नहीं है. इस स्थिति में मौके पर मौजूद नवभारत प्रतिनिधि ने एमरजेंसी के अन्दर जाकर देखा तो 4 बेड खाली थे.

हर दिन लौटते हैं 50 से अधिक मरीज

अस्पताल में हर दिन एमरजेंसी विभाग में 50 से अधिक मरीज आते हैं, लेकिन मरीजों को यह कहकर लौटा दिया जाता है कि बेड खाली नहीं है, या फिर हमीदिया जाने को कहा जाता है.

तीन महीने पहले भाई छत से गिर गया था, कोवां में था, हालत गंभीर थी. लेकिन एडमिट करने को मना कर दिया, बहुत देर तक हाथ पांव मारने पर बड़े नेता से फोन करवाया तो तुरंत एडमिट कर लिया. उसके पहले बोल रहे थे कि बेड खाली नहीं है. आज ओपीडी में दिखाने आया हूं स्ट्रेचर तो दे दिया लेकिन कोई हेल्पर नहीं मिलता, सब कुछ अकेले ही करना पड़ता है.

– रवि प्रजापति, परिजन

फोन लगने पर खाली होता है बेड

पिता को मैं रविवार को ग्वालियर से ट्रेन में लेकर आया, रास्ते में ही तबियत काफी बिगड़ गई थी इनका ट्रेकोस्टॉमी का आपरेशन के बाद से ही सांस लेने में दिक्कत हो रही थी. डॉक्टरों ने एम्स लाने को कहा, लेकिन यहां आने के बाद बेड खाली नहीं है कहकर एमरजेंसी में एडमिट करने को मना कर दिया. करीब 4 से 5 घंटे की मशक्कत के बाद कई जगह से फोन करवाकर राजनीतिक सहयोग लेने पर भर्ती किया.

– राज मांझी, परिजन

एनआईसीयू में अब नहीं दिख रहे चूहे

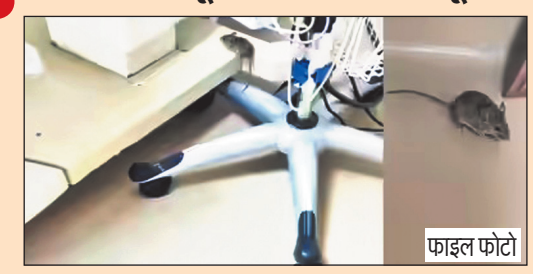

फाइल फोटो

एनआईसीयू वार्ड में सोमवार को भर्ती बच्चों के परिजनों से नवभारत प्रतिनिधि ने बात की. परिजनों ने बताया कि 3 से 4 दिन पहले दवाओं का छिड़काव के बाद मरे चूहे दिखे थे. जिसकी सफाई के बाद चूहे नहीं दिखे. अस्पताल परिसर में समय समय पर कीटों को भगाने को लिये दवाओं का छिड़काव होता है. एम्स के सुपरिटेंडेंट विकास गुप्ता ने बताया कि 4 दिन पहले भी एनआईसीयू वार्ड की तरफ भी छिड़काव के बाद 20 से 25 चूहे मरे मिले थे. कुछ चूहे फॉल्स सीलिंग से निकलकर में भी वार्डों में जाते दिखे थे. जिन्हे पकड़ लिया गया है.

भईया कई बार बेहोश हो चुके हैं, सोमवार को भी अचानक बेहोश हो गये काफी देर तक कोशिश करने के बाद भी होश नहीं आया. यहां आने के बाद पहले तो एडमिट को मना किया, लेकिन कई बार कहने पर और रिपोर्ट आने के बाद एडमिट किया.

–क्षितिज गुप्ता

30 बेड वार्ड आईसीयू में और 12 बेड इमरजेंसी में

एमरजेंसी में आने वाला मरीज वेंटिलेटर पर है और बेड खाली है. तो हम उसे एडमिट करते हैं. कुल 30 बेड, वार्ड आईसीयू में और 12 बेड एमरजेंसी में हैं ऐसे में जब बेड नहीं खाली होते तो मरीज को दूसरी जगह भेजना पड़ता है. वहीं बिना वेंटिलेटर के कोई मरीज गंभीर अवस्था में आता है तो उसे तुरंत प्राथमिक उपचार दिया जाता हैं. जिसके बाद जरूरत अनुसार विभागीय वार्ड में एडमिट करते हैं.

– विकास गुप्ता, सुपरीटेंडेंट, एम्स, भोपाल

ट्रांसफॉर्मर आग घटना में बाहरी कारण की आशंका

भोपाल. एमपी नगर क्षेत्र में 12 अप्रैल को हुए ट्रांसफॉर्मर में आग लगने की घटना की जांच में प्रथम दृष्टया बाहरी कारणों से फॉल्ट होने की आशंका जताई गई है. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा जारी जानकारी के अनुसार घटना सुबह लगभग 9 बजकर 31 मिनट पर हुई, जब 11 केवी चेतक फीडर आर-फेज अर्थ फॉल्ट के कारण ट्रिप हुआ. उस समय करीब 2400 एम्पियर का फॉल्ट करंट रिकॉर्ड किया गया, जबकि रविवार होने के कारण फीडर पर लोड मात्र 16 एम्पियर था. ट्रिपिंग के बाद सबस्टेशन ऑपरेटर निरीक्षण के लिए पहुंचा, जहां स्थानीय लोगों से ट्रांसफॉर्मर में आग लगने की सूचना मिली. सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए फीडर को पुन: चालू नहीं किया गया और तत्काल फॉल्ट सुधार दल को सूचित किया गया.

दो लुटेरों को हिरासत में लिया

श्यामला हिल्स थाने का मामला

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 13 अप्रैल. श्यामला हिल्स थाना पुलिस ने बुजुर्ग डॉक्टर के साथ हुई लूट की वारदात में दो आरोपियों को हिरासत में लिया है. लूट की घटना महिला आरोपी के इशारे पर होने की जानकारी सामने आई है. पुलिस वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों से जानकारी जुटा रही है.

जानकारी के मुताबिक लूट की वारदात का शिकार हुए डॉ. मनोज वर्मा को आरोपी महिला जानती थी. डाक्टर से रिश्ते बिगड़ने के बाद महिला ने योजना बनाकर उनके साथ लूटी की वारदात को अंजाम दिया. महिला आरोपी के एक और साथ को भी पुलिस ने हिरासत में लिया है. लूट की वारदात में शामिल होने वाले अन्य आरोपियों के बारे में पुलिस की पूछताछ जारी है. हालांकि पुलिस को अभी तक लूट का सामन बरामद नहीं हुआ है, जल्द ही लूट की वारदात में शामिल अन्य आरोपियों तक पुलिस पहुंच सकती है. पुलिस की हिरासत में आई आरोपी महिला की पहचान आलिया खान निवासी रेतघाट और आरोपी युवक अरसलान के रूप में की गई है.

अन्य आरोपी अभी भी फरार

वारदात में शामिल एक अन्य आरोपी अदनान और एक अन्य युवक अभी भी फरार चल रहे हैं. बीते शुक्रवार को डॉ. मनोज वर्मा सुबह रोजाना की तरह वह साइकिलिंग के लिए निकले थे. इस दौरान बदमाशों ने उनके सा थ लूट की थी.

कार्रवाई : छापा मारकर छह सिलेंडर किए जब्त

भोपाल. राजधानी में रसोई गैस सिलेंडर की समस्या से जनता को राहत दिलाने के लिए जिला प्रशासन हर संभव प्रयास कर रहा है. साथ ही कालाबाजारी को लेकर भी छापेमारी की जा रही है. इस क्रम में जिला आपूर्ति विभाग ने सोमवार को नेहरू नगर में श्रेष्ठ सेल्स सर्विस पर छापेमार कार्रवाई की. इस दौरान दुकान बंद मिली. दुकान का संचालक सोनू विश्वकर्मा का फोन भी बंद मिला. ऐसे में प्रशासन की टीम ने दुकान को सील कर दिया. इसके बाद फिर से संचालक सोनू से संपर्क किया. बात होने पर दुकान की सील तोड़ी गई. मौके पर दुकान में 6 छह घरेलू गैस सिलेंडर पाए गए, जिसमें से दो सिलेंडर में गैस भरी पाई गई. जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन ने यह जानकारी दी.

बड़े तालाब के कैचमेंट एरिया से हटाए 8 अतिक्रमण

फैक्ट्स

- निजी और शासकीय भूमि पर मिला अवैध कब्जा
- सेवनियां गौड़ और गौरा गांव में दीवार तोड़ी, तार फेंसिंग हटाई

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 13 अप्रैल. राजधानी में सोमवार को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई. यह कार्रवाई टीटी नगर वृत्त के अंतर्गत सेवनियां गौड़ और गौरा गांव में हुई, जहां पर सुबह 11 बजे से प्रशासन पुलिस बल और अतिक्रमण अमले ने बड़े तालाब के कैचमेंट एरिया में किए गए अतिक्रमण को हटाया.

इस दौरान सीमेंट से बनी दीवार और तार फेंसिंग को जेसीबी से तोड़ा गया. इस दौरान तहसीलदार कुनाल राउत सहित राजस्व निरीक्षक, पटवारी, नगर निगम के झील संरक्षण के अधिकारी, भवन अनुज्ञा शाखा, वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे. शुरुआत में प्रशासन का अमला सेवनिया गौड़ पहुंचा, जहां पर चार निजी भूमि पर सीमेंट के पोल लगाकर दीवार का निर्माण किया हुआ था और एक जगह पंप हाउस का कमरा बना हुआ था. वहीं गौरा गांव में चार जगह तार फेंसिंग की हुई थी. इन सभी को जमींदोज किया गया. जब सेवनियां गोड़ में प्रशासन अमला कार्रवाई करने पहुंचा, तो वहां पर ट्रैक्टर-ट्रॉली से कैचमेंट की भूमि पर मलबा डालकर भराव किया जा रहा था. अतिक्रमण अमले को देखकर कब्जा करने आए लोग ट्रॉली छोड़कर और ट्रैक्टर लेकर भाग गए, लेकिन मलबे से भरी ट्रॉली को जब्त कर लिया गया. टीटी नगर वृत्त के तहसीलदार कुनाल राउत ने बताया शासकीय भूमि पर दिए गए नोटिस की सुनवाई हो चुकी है और उनको तोड़ने की कार्रवाई कर रहे हैं, लेकिन पक्के निजी भूमि पर बने आवासों को तोड़ने के लिए सुप्रीम कोर्ट के नियमों का पालन के अनुसार कुछ समय लगेगा. वहीं निजी भूमि पर बने निर्माण को तोड़ने के लिए अभी उनको सामान हटाने और स्वयं अतिक्रमण हटाने का समय दे रहे हैं. निजी भूमि पर अतिक्रमण को हटाने के लिए नोटिस और उनकी सुनवाई नगर निगम के भवन अनुज्ञा शाखा के अधिकारी कर रहे हैं.

मेरा फार्म हाउस का कुछ हिस्सा कैचमेंट में

गौरा गांव में कैचमेंट से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई प्रशासन कर रहा था, उसी दौरान वहां पर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन उत्तर संजय सिंह पंवार पहुंच गए. उन्होंने तहसीलदार कुनाल से बात करते हुए अपने फार्म हाउस के अतिक्रमण को स्वयं भी हटवाने के लिए कहा .उन्होंने तहसीलदार को बताया कि मेरे कब्जे वाली भूमि में से आठ फुट कैचमेंट में है. आप उसे तोड़ने आए तो मुझे बता दीजिएगा. मैं स्वयं ही उस वक्त आ जाऊंगा. हालांकि अतिक्रमण की सूची में संजय सिंह पंवार का नाम नहीं है.

डायल-112 के स्टाफ ने लापता बालक को परिवार से मिलवाया

विशेष संवाददाता

भोपाल, 13 अप्रैल. डायल-112 आपात सेवा ने एक बार फिर अपनी तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए इंदौर जिले में एक लापता बालक को सुरक्षित उसके परिजनों से मिलाया.

यह घटना 12 अप्रैल की मध्यरात्रि के आसपास सांवेर थाना क्षेत्र के रिंगनोद चौराहे के पास की है, जहां 12 वर्षीय बालक सुनसान सड़क पर अकेला भटकता हुआ मिला.

राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम भोपाल को सूचना मिलते ही डायल-112 की फर्स्ट रिस्पांस व्हीकल को तत्काल मौके पर भेजा गया. आरक्षक पारस चौधरी और पायलट धर्मेंद्र पटेल ने मौके पर

पहुंचकर बालक को सुरक्षित अपने संरक्षण में लिया. प्रारंभ में बालक अपने परिजनों के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं दे सका.

डायल-112 टीम ने बालक की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए आसपास के क्षेत्र में तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला. इसके बाद उसे थाना लाया गया और सोशल मीडिया व कंट्रोल रूम के माध्यम से उसके परिजनों की खोज शुरू की गई.

नहीं बन रही शिक्षक संगठनों में सहमति

लोकशिक्षण संचालनालय ने नहीं दी समय से बैठक की सूचना

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 13 अप्रैल. लंबे समय से टीईटी को लेकर असमंजस और चिंता में घिरे प्रदेश के शिक्षकों को मद्देनजर रखते हुये सोमवार को लोकशिक्षण संचालनालय और मध्यप्रदेश शिक्षक संघ के बीच हुई महत्वपूर्ण बैठक हुई. जिसमें कई बिंदुओं पर सहमति बनी है.

वहीं दूसरी तरफ बैठक की जानकारी अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा को समय पर नहीं दी गई. जिससे उनमें नाराजगी बनी हुई है. बता दें बैठक में परीक्षा से पहले पात्र शिक्षकों का वर्गीकरण करने की बात कही गई है. इसके बाद ही टीईटी परीक्षा आयोजित होगी. जिसमें खास बात यह है कि परीक्षा देने वाले शिक्षकों के लिए विभाग की ओर से रेमेडियल कक्षाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी. जिससे वे बेहतर तैयारी कर सकें.

शिक्षकों की सबसे बड़ी चिंता असफलता को लेकर थी. अब इस पर सहमति बनी है कि असफल शिक्षकों को एक नहीं बल्कि तीन अवसर दिए जाएंगे. इससे उनके करियर पर किसी तरह का तत्काल खतरा नहीं रहेगा और सुधार का मौका मिलेगा.

दसवीं और बारहवीं के परिणाम सुधार के लिए जो मॉड्यूल तैयार किए जाते हैं उन्हें भी सीमित संख्या में पात्र शिक्षकों को उपलब्ध कराया जाएगा. इससे शिक्षकों की गुणवत्ता और परिणाम दोनों में सुधार की उम्मीद है.

बैठक में शामिल शिक्षक संघ पर फैसले का असर नहीं

अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा को बैठक की जानकारी 2 बजकर 30 मिनट पर दी गई. जबकि बैठक 3 बजे से थी. इतने कम समय में बैठक में शामिल होना संभव नहीं था. जिस संगठन से बातचीत हुई हैं वो सरकार के पक्षधर और पुराने शिक्षक संघ के लोग हैं. कुछ समय में रिटायर हो जायेगें. इन पर इस विषय पर लिये गये फैसले से कोई असर नही पड़ने वाला है. फिलहाल शासन को अवगत करा दिया गया है कि शिक्षक आंदोलन के संबंध में शासन कोई भी चर्चा करता है तो सिर्फ मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल से ही मान्य होगी, अन्य के साथ की गई वार्ता का निर्णय मान्य नहीं होगा.

आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने पर केस

भोपाल. मिसरोद थाना इलाके में एक 40 वर्षीय महिला कर्मचारी ने उसका आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने वाले लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है. महिला निजी फायनेंस कंपनी में काम करती है और उसके एक साथी कर्मचारी के साथ का वीडियो अन्य चार आरोपी कर्मचारियों ने वायरल कर दिया. महिला को इसका पता तब चला जब कंपनी के प्रबंधन ने उसे नोटिस जारी कर जवाब मांगा है. आरोप है कि आरोपी कर्मचारियों ने प्रबंधन को यह वीडियो भेजा था. आपत्तिजनक वीडियो एक साल पहले का बताया जा रहा है. महिला जहां काम करती है, वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में घटना कैद हो गई थी. आरोप है कि इस फुटेज को कंपनी में फुटेज की जिम्मेदारी संभालने वाले आरोपी युवक ने अपने तीन अन्य साथियों के साथ शेयर की थी.

नाबालिग के साथ छेड़खानी के आरोपी को सुनाई सजा

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 13 अप्रैल. ऐशबाग इलाके में नाबालिग लड़की के साथ छेड़छाड़ करने वाले आरोपी अभिषेक यादव को कोर्ट ने तीन साल की जेल की सजा सुनाई है. आरोपी को पॉक्सो एक्ट में दोषसिद्ध पाते हुये उस पर अर्थदंड भी लगाया गया है.

अभियोजक अजय शंकर प्रजापति ने बताया कि मनोहरलाल पाटीदार अनन्य विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) ने मामले में फैसला सुनाया. 17/06/2021 को फरियादी ने अपनी मां के साथ पुलिस थाना ऐशबाग में रिपोर्ट दर्ज कराई थी. लड़की ने बताया कि उस रात को वह अपने घर में सो रही थी. उसी समय पडोस मे रहने वाला अभिषेक यादव उसके घर के अंदर घुस गया था. अभिषेक ने लड़की को छुआ तभी उसकी नींद खुल गई और वह अभिषेक को देखकर डर गई थी.

नाबालिग से शादी करने के आरोपी को कारावास

अशोका गार्डन इलाके में नाबालिग लड़की की शादी करने के इरादे से अपहरण करने वाले आरोपी आकाश शाक्या को जिला कोर्ट ने दोषी पाया. आरोपी आकाश को 5 साल का सश्रम कारावास और उस पर अर्थदण्ड भी लगाया गाय है. प्रकरण में शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक ज्योति कुजूर और अजय शंकर प्रजापति ने पैरवी की. अभियोजक अजय शंकर प्रजापति ने बताया मनोहरलाल पाटीदार अनन्य विशेष न्यायाधीश ने मामले में फैसला सुनाया.

प्रदर्शन भैंरोपुरा गांव, ऋषिपुरम 80 फीट रोड, सांईराम कॉलोनी और पॉलीटेक्निक चौराहे की दुकानों का विरोध

भैंरोपुरा में शराब दुकान के विरोध में हुआ प्रदर्शन

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 13 अप्रैल. राजधानी के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में शराब की दुकानों को लेकर विरोध जारी है. शहर में ऋषिपुरम के 80 फीट रोड, सांईराम कॉलोनी, पॉली टेक्निक चौराहा की दुकानों का विरोध पहले से ही हो रहा था, लेकिन अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी विरोध होने लगा है.

सोमवार को ईंटखेड़ी क्षेत्र के भैंरोपुरा गांव में शराब की दुकान का विरोध हुआ. जिला पंचायत उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण शराब की दुकान हटाने को लेकर धरने पर बैठ गए. प्रशासन के खिलाफ

जमकर नारेबाजी की. ग्रामीणों का कहना था कि कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ सहित अन्य अधिकारियों से शिकायत करने के बाद भी शराब की दुकान नहीं हटाई जा रही है. इससे ग्रामीण क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा है. महिलाओं व बेटियों का निकलना मुश्किल हो गया है. शराब की दुकान के कारण असामाजिक तत्वों का जमघट लगता है. एकत्रित हुए ग्रामीणों में शराब की दुकान का ताला लगवा दिया. दुकानें के सामने ही टेंट लगाकर भजन करने के लिए बैठ गए. जिसमें ईंटखेड़ी सरपंच हरी सिंह सैनी, जिला पंचायत भोपाल उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट, जनपद सदस्य प्रतिनिधि महेश मीणा, दशरथ सिंह मीणा, अखिलेश मीणा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जन, स्कूली छात्र छात्राएं उपस्थित रही. अवधपुरी क्षेत्र में आने वाले ऋषिपुरम 80 फीट रोड पर पेट्रोल पंप के पास शराब दुकान का विरोध हो रहा है. लोग शराब की दुकान के सामने सुंदरकांड पाठ कर रहे हैं. रहवासियों का कहना है कि दुकान के कारण क्षेत्र का माहौल बिगड़ रहा है. सेमराकलां क्षेत्र के विजय नगर सांईराम कॉलोनी के लोग एक साल से दुकान हटाने की मांग कर रहे हैं.

ननि आयुक्त कार्यालय पर कांग्रेस का प्रदर्शन

भोपाल. शहर के माता मंदिर स्थित नगर निगम आयुक्त कार्यालय पर सोमवार को कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया. इस दौरान उन्होंने नींबूपानी का ठेला निगम कार्यालय के गेट के सामने रखकर सभी ने नारे बाजी कर प्रदर्शन किया. उसके बाद वहीं धरने पर बैठ गए. यह प्रदर्शन नगर निगम के द्वारा शहर में हाथ ठेले पर नींबू पानी, जलजीरा और गन्ने की चरखी को न हटाये जाने के लिए किया गया. उसके बाद प्रदर्शनकारियों ने निगमायुक्त को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा.

स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को मिली 4 .40 करोड़ की छूट

भोपाल. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग अंतर्गत आने वाले 16 जिलों के स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए मार्च का महीना खुशियां लेकर आया है. कंपनी द्वारा इन स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को टाइम ऑफ डे टैरिफ व्यवस्था के तहत सोलर ऑवर (सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक) में बिजली की खपत पर 20 प्रतिशत की विशेष छूट प्रदान की गई है. इस टाइम ऑफ डे टैरिफ व्यवस्था के तहत कंपनी कार्यक्षेत्र में कुल 6 लाख 82 हजार 249 उपभोक्ताओं को बिजली बिल में 4 करोड़ 40 लाख 44 हजार रुपए की छूट का सीधा लाभ मिला है. अकेले भोपाल जिले की बात करें तो यहां 3 लाख 60 हजार 423 उपभोक्ताओं के बिलों में 2 करोड़ 41 लाख 85 हजार रुपये की छूट प्रदान कर उन्हें लाभान्वित किया गया है.

आग लगने से कई किसानों की गेहूं की फसल राख

बैरसिया, 13 अप्रैल. बैरसिया तहसील क्षेत्र के कलारा गांव में सोमवार सुबह करीब 8 बजे खेत में खड़ी गेहूं की फसल में अचानक आग लगने से लोगों में अफरा-तफरी मच गई. देखते ही देखते आग चारों तरफ फैल गई.

ग्रामीणों ने अपने स्तर पर आग से बचाव हेतु ट्रैक्टर में पंजा लगा खेतों के चारों तरफ चलाकर आग बुझाने का प्रयास किया , लेकिन तेज लपटों के कारण आग पर काबू पाना मुश्किल हो गया. ग्रामीणों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी लेकिन वो समय पर नहीं पहुंची. किसान मनोहर लाल विश्वकर्मा, जैनुद्दीन, हरिराम शर्मा , धनश्याम अहिरवार, कुंदनलाल विश्कर्मा, भगवान लाल,

शादीलाल कुशवाह, रामदयाल शर्मा सहित अन्य किसानों की आग लगने से गेहूं की फसल, आम व नीबू के पेड़ पौधे, भूसा , सिंचाई पाइप और लकड़ियां जलकर खाक हो गईं.

कई घंटों की देरी से फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आग काफी फैल चुकी थी. बड़ी संख्या में एकत्रित गांव वालों ने लगभग 7-8 घंटे की कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया. इस आगजनी में किसानों का लाखों रुपये का नुकसान होना बताया जा रहा है.